**C.B.S.E**

**विषय : हिन्दी 'ब'**

**कक्षा : 9**

**निर्धारित समय : 3 घंटे** **अधिकतम अंक: 80**

---

**सामान्य निर्देश:**

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क,ख,ग,और घ।
2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।
4) एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5) दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6) तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
7) पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

**खंड - क**

**[अपठित अंश]**

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।[10]

पर्यटन का अर्थ है- भ्रमण या घूमना। भारत के भिन्न-भिन्न प्रांतों की संस्कृति और सभ्यता भिन्न है। अपने देश को ठीक से समझने के लिए हमारे लिए देश के विभिन्न क्षेत्रों का पर्यटन आवश्यक है। विश्व की संस्कृति को समझने के लिए भी देशाटन प्रमुख साधन है। हम जितना अधिक घूमते हैं, उतना ही अधिक हमारा ज्ञान बढ़ता है, उतना ही अनुभव भी बढ़ता है। देश और विदेश में लोग कैसे रहते हैं? कभी कहीं नहीं जाने वाला व्यक्ति कुएँ के मेढ़क के समान होता है। जिस प्रकार मेढ़क यह समझता है कि कुएँ के एक सिरे से दूसरे सिरे तक ही संसार है, इसके बाहर कुछ नहीं, उसी प्रकार

कहीं बाहर न जाने वाले व्यक्ति की भी विचार धाराएँ संकीर्ण हो जाती हैं, उसका ज्ञान और अनुभव भी सीमित हो जाता है।

1. पर्यटन क्यों आवश्यक है?
2. भारत के भिन्न-भिन्न प्रांतों में क्या भिन्नता देखने मिलती है?
3. पर्यटन का क्या अर्थ है और घूमने से क्या होता है?
4. कभी कहीं नहीं जाने वाला व्यक्ति कैसा होता है और क्या समझता है?
5. आप अपना ज्ञान और अनुभव किस तरह से बढ़ा सकते हैं?
6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।

## खंड - ख

## [व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए। [3]

- प्रभाव
- निगाह
- सामंत

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए।[3]

- आगन
- फूक

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए।

- रफ
- जमानत

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए।

- सन्ताप
- सुन्गध

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए। [3]

- प्रायोगिक
- अधिकतर

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए।

- आरोहण
- अनाकर्षक

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और उपसर्ग को अलग कीजिए।

- अधर्म
- पुरातत्व

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें। [3]

1. अरे तुम जाओगे कानपूर
2. आपको क्या चाहिए
3. चाय ठंडी हो गई है

प्र. 6. निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद कीजिए। [4]

- स्वेच्छा
- भोजनालय
- नवागत
- चर्मोत्कर्ष

## खंड - ग

## [पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए:[2+2+2=6]

1. नदी के किनारे कीचड़ कब सुंदर दिखता है?
2. लेखक के अनुसार स्वाधीनता आंदोलन का कौन-सा दिन बुरा था?
3. गांधीजी के पास पत्र कहाँ-कहाँ से आते थे?
4. एवरेस्ट अभियान में अग्रिम दल का कार्य क्या होता है और अग्रिम दल का नेतृत्व कौन कर रहा था?

प्र. 7. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [5]

1. बुढ़िया के दु:ख को देखकर लेखक को अपने पड़ोस की संभ्रांत महिला की याद क्यों आई?
2. घर की स्वीटनेस से क्या आशय है? घर की स्वीटनेस कब समाप्त हो जाती है?

प्र. 8. (अ). निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। [2+2+2=6]

1. जेल से छूटने के बाद सुखिया के पिता ने अपनी बच्ची को किस रूप में पाया?
2. प्रेम का धागा टूटने पर पहले की भाँति क्यों नहीं हो पाता?
3. रैदास के पहले पद का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए।
4. कवि किस दृश्य को महान मानता है?

प्र.8. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का का उत्तर दीजिए। [5]

1. 'खुशबू रचनेवाले हाथ' कैसी परिस्थितियों में तथा कहाँ-कहाँ रहते हैं?
2. कवि के पास अपना घर ढूँढने का एकमात्र विकल्प क्या और क्यों है?

प्र. 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [6]

1. पाठ के आधार पर कौए को एक साथ समादरित और अनादरित प्राणी क्यों कहा गया है?
2. जज को पटेल की सज़ा के लिए आठ लाइन के फ़ैसले को लिखने में डेढ़ घंटा क्यों लगा?

## खंड - घ

## [लेखन]

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए। [6]

- विज्ञान के चमत्कार
- हमारा राष्ट्रीय पक्षी मोर
- समय बड़ा बलवान

प्र. 11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखें। [5]

1. आपका कई दिनों से काम नहीं कर रहा है इस की सूचना देते हुए और टेलीफोन को जल्द-से जल्द ठीक करने के लिए टेलीफोन विभाग को एक पत्र लिखिए।
2. आपके जन्म दिवस पर आपके चाचाजी द्वारा उपहार में भेजी गई घड़ी प्राप्त करने पर उन्हें धन्यवाद देते हुए पत्र लिखिए।

प्र. 12. निम्न चित्रों में से किसी एक चित्र का वर्णन करें। [5]

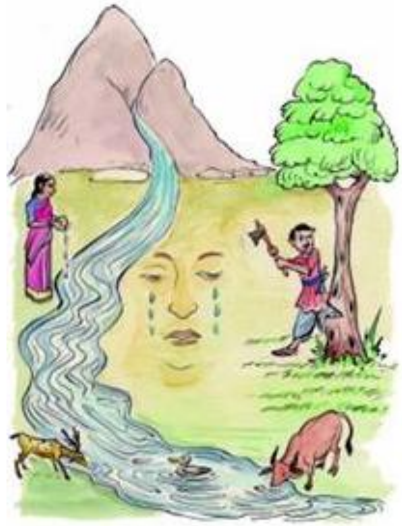

अथवा

प्र. 13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संवाद लिखें। [5]

1. दुकानदार और ग्राहक के मध्य संवाद लिखें।
2. विद्यालय के दो छात्राओं के मध्य नई शिक्षिका को लेकर हो रहे संवाद को लिखें।

प्र. 14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विज्ञापन का प्रारूप तैयार करें। [5]

1. धुलाई के किए प्रयोग किए जानेवाले साबुन के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए।
2. तेल के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए।

**C.B.S.E**

**विषय : हिन्दी 'ब'**

**कक्षा : 9**

**निर्धारित समय : 3 घंटे** **अधिकतम अंक: 80**

---

**सामान्य निर्देश:**

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क,ख,ग,और घ।

2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

4) एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।

5) दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।

6) तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।

7) पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

**खंड - क**

**[अपठित अंश]**

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।[10]

पर्यटन का अर्थ है- भ्रमण या घूमना। भारत के भिन्न-भिन्न प्रांतों की संस्कृति और सभ्यता भिन्न है। अपने देश को ठीक से समझने के लिए हमारे लिए देश के विभिन्न क्षेत्रों का पर्यटन आवश्यक है। विश्व की संस्कृति को समझने के लिए भी देशाटन प्रमुख साधन है। हम जितना अधिक घूमते हैं, उतना ही अधिक हमारा ज्ञान बढ़ता है, उतना ही अनुभव भी बढ़ता है। देश और विदेश में लोग कैसे रहते हैं? कभी कहीं नहीं जाने वाला व्यक्ति कुएँ के मेढ़क के समान होता है। जिस प्रकार मेढ़क यह समझता है कि कुएँ के एक सिरे से दूसरे सिरे तक ही संसार है, इसके बाहर कुछ नहीं, उसी प्रकार

कहीं बाहर न जाने वाले व्यक्ति की भी विचार धाराएँ संकीर्ण हो जाती हैं, उसका ज्ञान और अनुभव भी सीमित हो जाता है।

1. पर्यटन क्यों आवश्यक है?

   उत्तर : भारत के भिन्न-भिन्न प्रांतों की संस्कृति और सभ्यता भिन्न है। अपने देश को ठीक से समझने के लिए हमारे लिए देश के विभिन्न क्षेत्रों का पर्यटन आवश्यक है।

2. भारत के भिन्न-भिन्न प्रांतों में क्या भिन्नता देखने मिलती है?

   उत्तर : भारत के भिन्न-भिन्न प्रांतों की संस्कृति और सभ्यता भिन्न है।

3. पर्यटन का क्या अर्थ है और घूमने से क्या होता है?

   उत्तर : पर्यटन का अर्थ है- भ्रमण या घूमना। घूमने से हमारा ज्ञान बढ़ता है, उतना ही अनुभव भी बढ़ता है।

4. कभी कहीं नहीं जाने वाला व्यक्ति कैसा होता है और क्या समझता है?

   उत्तर : कभी कहीं नहीं जाने वाला व्यक्ति कुएँ के मेंढक के समान होता है। जिस प्रकार मेंढक यह समझता है कि कुएँ के एक सिरे से दूसरे सिरे तक ही संसार है, इसके बाहर कुछ नहीं, उसी प्रकार कहीं बाहर न जाने वाले व्यक्ति की भी विचार धाराएँ संकीर्ण हो जाती हैं, उसका ज्ञान और अनुभव भी सीमित हो जाता है।

5. आप अपना ज्ञान और अनुभव किस तरह से बढ़ा सकते हैं?

   उत्तर : हम अपना ज्ञान और अनुभव घूमने से बढ़ा सकते हैं क्योंकि हम जितना अधिक घूमते हैं, उतना ही अधिक हमारा ज्ञान बढ़ता है, उतना ही अनुभव भी बढ़ता है।

6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।

उत्तर : 'पर्यटन' उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक है।

## खंड - ख

## [व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए। [3]

- प्रभाव = प + र् + अ + भ् + आ + व् + अ
- निगाह = न + इ + ग् + आ + ह् + अ
- सामंत = स् + आ + म् + अ + न् + त् + अ

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए। [3]

- आगन - आँगन
- फूक - फूँक

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए।

- रफ - रफ़
- जमानत - ज़मानत

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए।

- सन्ताप - संताप
- सुन्गध - सुगंध

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए। [3]

- प्रायोगिक - इक
- अधिकतर - तर

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए।

- आरोहण - आ
- अनाकर्षक - अन्

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और उपसर्ग को अलग कीजिए।

अधर्म - अ + धर्म

पुरातत्व - पूरा + तत्व

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें। [3]

1. अरे तुम जाओगे कानपूर

   उत्तर : अरे! तुम जाओगे कानपूर।

2. आपको क्या चाहिए

   उत्तर : आपको क्या चाहिए?

3. चाय ठंडी हो गई है

   उत्तर : चाय ठंडी हो गई है।

प्र. 6. निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद कीजिए। [4]

- स्वेच्छा - स्व + इच्छा
- भोजनालय - भोजन + आलय
- नवागत - नव + आगत
- चर्मोत्कर्ष - चरम + उत्कर्ष

## खंड - ग

### [पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए:[2+2+2=6]

1. नदी के किनारे कीचड़ कब सुंदर दिखता है?

   उत्तर : नदी के किनारे कीचड़ जब सूख जाता है तो उसमें आड़ी तिरछी दरारें पड़ जाती हैं। वह देखने में बहुत सुन्दर लगता है जैसे सुखाया हुआ हो। कभी-कभी किनारे पर समतल और चिकना फैला कीचड़ भी सुन्दर लगता है।

2. लेखक के अनुसार स्वाधीनता आंदोलन का कौन-सा दिन बुरा था?

   उत्तर : लेखक के अनुसार स्वाधीनता आंदोलन का वह दिन सबसे बुरा था जिस दिन स्वाधीनता के क्षेत्र में खिलाफत, मुल्ला मौलवियों और धर्माचार्यों को स्थान दिया जाना आवश्यक समझा गया। इस प्रकार स्वाधीनता आंदोलन ने एक कदम और पीछे कर लिया जिसका फल आज तक भुगतना पड़ रहा है।

3. गांधीजी के पास पत्र कहाँ-कहाँ से आते थे?

   उत्तर : गांधीजी को देश-विदेश हर ओर से पत्र आते थे। सभी प्रातों के उग्र और उदार देशभक्त, क्रांतिकारी, देश-विदेश के धुरंधर लोग, संवाददाता आदि सभी उन्हें पत्र लिखते थे।

4. एवरेस्ट अभियान में अग्रिम दल का कार्य क्या होता है और अग्रिम दल का नेतृत्व कौन कर रहा था?

   उत्तर : एवरेस्ट अभियान में अग्रिम दल का कार्य सबसे पहले आगे पहुँचकर आने वाले पर्वतारोहियों के बेस कैंप पहुँचने से पहले दुर्गम हिमपात के मार्ग को साफ करना होता है। लेखिका के इस अभियान अग्रिम दल का नेतृत्व उपनेता प्रेमचंद कर रहे थे।

प्र. 7. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [5]

1. बुढ़िया के दु:ख को देखकर लेखक को अपने पड़ोस की संभ्रांत महिला की याद क्यों आई?

   उत्तर : लेखक के पड़ोस में एक संभ्रांत महिला रहती थी। उसके पुत्र की भी मृत्यु हो गई थी और बुढ़िया के पुत्र की भी मृत्यु हो गई थी परंतु दोनों के शोक मनाने का ढंग अलग-अलग था। धन के अभाव में बेटे की मृत्यु के अगले दिन ही वृद्धा को बाज़ार में खरबूज़े बेचने आना पड़ता है। वह घर बैठ कर रो नहीं सकती थी। मानों उसे इस दुख को मनाने का अधिकार ही न था। आस-पास के लोग उसकी मजबूरी को अनदेखा करते हुए, उस वृद्धा को बहुत भला-बुरा बोलते हैं। जबकि संभ्रांत महिला को असीमित समय था। अढ़ाई मास से पलंग पर थी, डॉक्टर सिरहाने बैठा रहता था। लेखक दोनों की तुलना करना चाहता था इसलिए उसे संभ्रांत महिला की याद आई।

2. घर की स्वीटनेस से क्या आशय है? घर की स्वीटनेस कब समाप्त हो जाती है?

उत्तर : घर की स्वीटनेस से आशय घर की पारिवारिक मिठास कम होने से है। हर व्यक्ति अपने घर में सुख-शांति बनाए रखना चाहता है। अपने घर को स्वीट होम बनाए रखना चाहता है परन्तु अनचाहा अतिथि आकर उसकी इस मिठास को खत्म कर देता है। असुविधाएँ उत्पन्न हो जाती हैं। उनका आचरण दूसरों के जीवन को उथल-पुथल कर देता है। यह दूसरों के घर की सरसता कम करने का कारण बन जाते हैं। इस तरह अनचाहा अतिथि घर की स्वीटनेस को समाप्त कर देता है।

प्र. 8. (अ). निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। [2+2+2=6]

1. जेल से छूटने के बाद सुखिया के पिता ने अपनी बच्ची को किस रूप में पाया?

उत्तर : जेल से छूटने के बाद वह अपने घर जाता है परंतु तब तक उसकी बेटी सुखिया की मृत्यु हो चुकी होती है। उसके रिश्तेदारों ने उसका दाह-संस्कार भी कर दिया होता है। वह भागकर श्मशान घाट जाता है जहाँ उसे उसकी बेटी राख की ढेरी के रूप में मिलती है।

2. प्रेम का धागा टूटने पर पहले की भाँति क्यों नहीं हो पाता?

उत्तर : प्रेम आपसी लगाव, निष्ठा, समर्पण और विश्वास का नाम है। यदि एक बार भी किसी कारणवश इसमें दरार आती है तो प्रेम फिर पहले जैसा नहीं रह पाता है। जिस प्रकार धागा

टूटने पर जब उसे जोड़ा जाए तो एक गाँठ पड़ ही जाती है। अत:प्रेम सम्बन्ध बड़ी ही कठिनाई से बनते हैं इसलिए इन्हें जतन से सँभालकर रखना चाहिए।

3. रैदास के पहले पद का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर : रैदास के पहले पद का केंद्रीय भाव यह है कि वे उनके प्रभु के अनन्य भक्त हैं। वे अपने ईश्वर से कुछ इस प्रकार से घुलमिल गए हैं कि उन्हें अपने प्रभु से अलग करके देखा ही नहीं जा सकता।

4. कवि किस दृश्य को महान मानता है?

उत्तर : कवि संघर्ष से जूझते हुए मनुष्य के दृश्य को महान मानता है। जीवन में अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होते हुए मनुष्य जब अपना खून-पसीना,अश्रु तथा रक्त से लथपथ होते हुए भी आगे बढ़ता है वही कवि के अनुसार महान दृश्य है।

प्र.8. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का का उत्तर दीजिए। [5]

1. 'खुशबू रचनेवाले हाथ' कैसी परिस्थितियों में तथा कहाँ-कहाँ रहते हैं?

उत्तर : खुशबू रचते हाथ अपना जीवनयापन बड़ी ही निम्न परिस्थितियों में करते हैं। खुशबू रचनेवाले हाथ बदबूदार, तंग और नालों के पास रहते हैं। इनका घर कूड़े-कर्कट और बदबू से भरे गंदे नालों के पास होता है यहाँ इतनी बदबू होती है कि सिर फट जाता है। ऐसी विषम परिस्तिथियों में खुशबू रचनेवाले हाथ रहते हैं।

2. कवि के पास अपना घर ढूँढने का एकमात्र विकल्प क्या और क्यों है?

उत्तर : कवि के पास अपना घर ढूँढने का एकमात्र विकल्प यह है कि वह वह हर दरवाजा खटखटाए और पूछे कि क्या यही वो घर है। कवि का ऐसा कहने से तात्पर्य है कि नित-नवीन बदलाव के कारण जो निशानियाँ उसने बना रखी थी वह सब मिट चुकी है और वह अब अपना घर परिचितों की सहायता बिना ढूँढ पाने ने असमर्थ है।

प्र. 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [6]

1. पाठ के आधार पर कौए को एक साथ समादरित और अनादरित प्राणी क्यों कहा गया है?

उत्तर : कौआ बड़ा विचित्र प्राणी है। इसका कभी आदर किया जाता है तो कभी अनादर। श्राद्ध में लोग कौए को आदर से बुलाते हैं। ऐसा माना जाता है कि पितृ पक्ष में हमारे पुरखे हमसे कुछ पाने के लिए कौए बनकर ही आते हैं। इसका अनादर इसलिए किया जाता है, क्योंकि काँव-काँव करके हमारा सिर खा जाते हैं। इसकी कर्कश वाणी किसी को नहीं भाती।

2. जज को पटेल की सज़ा के लिए आठ लाइन के फ़ैसले को लिखने में डेढ़ घंटा क्यों लगा?

उत्तर : सरदार पटेल को गिरफ़्तार करके पुलिस के पहरे में ही बोरसद की अदालत में लाया गया। जज किस धारा के तहत और कितनी सजा सुनाएँ फैसला नहीं कर पा रहे थे क्योंकि अपराध तो कोई था ही नहीं और गिरफ़्तार हुई थी साथ ही सरदार पटेल ने

अपराध स्वयं स्वीकार कर लिया था। इसलिए उन्हें आठ लाइन का फैसला देने में डेढ़ घंटा लगा दिया।

## खंड - घ

## [लेखन]

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए। [6]

### विज्ञान के चमत्कार

आज का युग विज्ञान का युग है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विज्ञान ने एक क्रांति पैदा कर दी है। विज्ञान का अर्थ है विशेष ज्ञान। मनुष्य ने अपनी आवश्यकताओं के लिए जो नए-नए आविष्कार किए हैं, वे सब विज्ञान की ही देन हैं। बिजली की खोज विज्ञान की एक बहुत बड़ी सिद्धि है। आज मनुष्य ने विज्ञान की सहायता से कई बड़े क्षेत्रों में सफलता पाई है जैसे कि चिकित्सा, सूचना क्रांति, अंतरिक्ष विज्ञान, यातायात आदि। यातायात-संबंधी वैज्ञानिक आविष्कारों ने संसार को एकदम छोटा कर दिया है। पहले जहाँ मानव को एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने में कई-कई वर्ष लग जाते थे वहीं आज मानव कई मीलों की दूरियों को हेलीकॉप्टर, हवाई जहाज, कार आदि द्वारा कम समय में पार कर लेता है।

आज रेडियो, टेलीविजन, डीवीडी प्लेयर, थ्रीडी सिनेमा, कम्प्यूटर, इंटरनेट आदि ऐसी कई चीजें हैं जिन्हें विज्ञान द्वारा मनुष्य के मनोरंजन के लिए उपलब्ध कराया है। मोबाइल, इंटरनेट, ईमेल्स, मोबाइल पर 3जी और इंटरनेट के माध्यम से फेसबुक, ट्विटर ने तो वाकई मनुष्य की जिंदगी को बदलकर ही रख दिया है। चिकित्सा और कृषि के क्षेत्रों में भी नई नई खोजों से बहुत लाभ हुआ है। विज्ञान द्वारा खाद व उपकरण, खाद्य पदार्थ, वाहन, वस्त्र आदि बनाने के असीमित कारखानें हैं।

विज्ञान के युद्ध-विषयक अस्त्र शस्त्रों के आविष्कारों ने देश की सभ्यता और संस्कृति को खतरे में डाल दिया है। परमाणु बम और हाइड्रोजन बम भी विज्ञान की ही देन हैं। यह बहुत ही विनाशक हैं। विज्ञान का उपयोग विनाश के लिए नहीं, विकास के लिए होना चाहिए।

## हमारा राष्ट्रीय पक्षी मोर

भारत में तरह-तरह के पक्षी है। किंतु राष्ट्रीय पक्षी होने का गौरव केवल मोर को प्राप्त है। इन्हें वैसे नदी व जलस्त्रोतों के पास वाले जंगल पसंद होते हैं। ये अकसर घने पेड़ों वाले इलाके में रहते हैं। मोर के सिर पर मुकुट जैसी खूबसूरत कलंगी होती है। इसकी लम्बी गर्दन पर सुन्दर नीला मखमली रंग होता है। मोर मुख्य रूप से घास-पात, ज्वार, बाजरा, चने, गेहूँ, मकई जैसे अनाज खाते हैं। यह बैंगन, टमाटर, प्याज जैसी सब्जियाँ भी खाते हैं। अनार, केला, अमरूद आदि भी इसके प्रिय भोजन हैं। मोर कीड़े-मकोड़े, चूहे, छिपकली, साँपों आदि को भी चाव से खाते है। ये साँपों के सबसे बड़े दुश्मन हैं। कहावत है कि जहाँ मोर की आवाज सुनाई पड़ती है, वहाँ नाग भी नहीं जाता। इसलिए यह किसानों का अच्छा मित्र होता है।

मोर का नृत्य बहुत प्रसिद्ध है। मयूर नृत्य समूह में किया जाता है। नृत्य के समय मोर अपने पंख फैला कर बड़ा सुन्दर मगर धीमी गति का नृत्य करता है। इसके नृत्य को देखकर मानव इतना प्रभावित हुआ है कि मयूर नृत्य को हमने नृत्य में शामिल कर लिया है। इसके अलावा भरतनाट्यम जैसे शास्त्रीय नृत्य मोर के नृत्य की तर्ज पर होते हैं। मोर भारतीय संस्कृति में विशेष स्थान रखते हैं। बहुत पहले प्राचीन हिंदू धर्म में इंद्र की छवि मोर के रूप में चित्रित की गई थी। भगवान कृष्ण तो अपने सिर पर मोरपंख लगाते थे। दक्षिण भारत में मोर भगवान कार्तिकेय के वाहन के

रूप में जाना जाता है। मोर का शिकार भारत में पूर्णतया प्रतिबंधित है। इसे भारतीय वन्य-जीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत पूर्ण संरक्षण दिया गया है।

## समय बड़ा बलवान

समय निरंतर प्रवाहित जलधारा के समान है जो आगे ही बढ़ता है बिना किसी की प्रतीक्षा या विश्राम के। जो व्यक्ति समय के साथ आगे बढ़ सकता है, वही जीवन में सफल होता है। समय, सफलता की कुंजी है। समय का सदुपयोग ही व्यक्ति को विकास के मार्ग पर अग्रसर करता है। समय के महत्त्व को समझने वाला जीने की कला सीख लेता है। किसी ने समय की तुलना धन से की है। वास्तव में समय, धन से भी कही अधिक मूल्यवान है। धन तो आता-जाता रहता है, किंतु गया हुआ समय कभी लौटकर नहीं आता। जो समय की कद्र करता है, समय उसकी कद्र करता है। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण है कि सही समय पर सही निर्णय लेने वाले व्यक्ति ही जीवन में सफल हुए हैं।

कबीर दास जी ने कहा है कि -

काल करै सो आज करए आज करै सो अब।<br>
पल में परलै होयेगी, बहुरी करेगा कब।।

इसलिए मनुष्य अपने समय का विभाजन इस प्रकार करे जिससे उसके पास अध्ययन, व्यायाम, मनन-चिंतन आदि सभी कार्यों के लिए समय हो। समय विभाजन कर उसका सदुपयोग करना सीख लें तो भविष्य सुविधाजनक और सुखमय हो जाता है।

प्र. 11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखें। [5]

1. आपका कई दिनों से काम नहीं कर रहा है इस की सूचना देते हुए और टेलीफोन को जल्द-से जल्द ठीक करने के लिए टेलीफोन विभाग को एक पत्र लिखिए।

सेवा में,

कार्यकारी इंजीनियर

टेलीफोन ऐक्सचेंज,

माणिकपुर,

वसई।

विषय : टेलीफोन नं. 68 xxx88 को ठीक कराने हेतु पत्र।

महोदय,

मेरे यहाँ 68 xxx88 संख्या का टेलीफोन लगा हुआ है। मैं आपका ध्यान उपरोक्त टेलीफोन की ओर केन्द्रित करना चाहता हूँ जो पिछले 20 दिनों से खराब पड़ा है। इसके विषय में मैं कई बार शिकायतें लिखवा चुका हूँ। एक उच्च अधिकारी से भी मेरी बात हुई थी, जिन्होंने दो-तीन दिनों से टेलीफोन ठीक कराने का आश्वासन दिया था परन्तु इस बात को एक सप्ताह हो चुका है, परन्तु अभी तक भी मेरा टेलीफोन खराब ही है। अतः मेरा आपसे अनुरोध है कि आप व्यक्तिगत रूप से ध्यान देकर उसे ठीक कराने की व्यवस्था करें। मैं टेलीफोन खराब होने के कारण बहुत परेशान हूँ। यदि आप मेरा फोन जल्द ठीक कराने की कृपा करेंगे, तो मैं सदा आपका आभारी रहूँगा।

सधन्यवाद।

भवदीय

शरत सक्सेना

मिलन महल,

नवघर रोड,
वसई।
दिनाँक: 3 मार्च, 20xx

2. आपके जन्म दिवस पर आपके चाचाजी द्वारा उपहार में भेजी गई घड़ी प्राप्त करने पर उन्हें धन्यवाद देते हुए पत्र लिखिए।

नेहरू छात्रावास,
दिल्ली पब्लिक स्कूल,
नई दिल्ली।
दिनाँक: 30 मार्च 20xx

आदरणीय चाचाजी
सादर चरण स्पर्श।

पत्र देर से लिखने के लिए क्षमा चाहता हूँ। आप तो जानते ही हो कि मेरी वार्षिक परीक्षा चल रही थी। जिसके कारण मैं आपको पत्र नहीं लिख पाया। यह पत्र मैंने आपको धन्यवाद देने के लिए लिखा है।
चाचाजी आपने उपहारस्वरूप जो घड़ी भेजी थी उसके लिए अनेकों धन्यवाद। उस घड़ी के कारण मुझे अपनी वार्षिक परीक्षा में काफी मदद मिली। पहले मैं अपना प्रश्न-पत्र पूरा नहीं कर पाता था परंतु आपकी घड़ी की सहायता से मैंने टाइमर लगाकर अपने प्रश्न पत्रों की प्रैक्टिस की जिसके कारण वार्षिक परीक्षा में, मैं अपना पेपर पूर्ण कर पाया।
आपने अपने व्यस्तम जीवनशैली में भी मेरा जन्मदिन न केवल याद रखा बल्कि उपहार स्वरुप अमूल्य भेंट भेजीं। सच में चाचाजी बहुत-बहुत धन्यवाद।
चाचाजी को मेरा प्रणाम और नन्हीं स्नेह को ढेर सारा प्यार देना।
पत्रोत्तर की प्रतीक्षा में।

आपका पुत्रवत,
सौरभ

प्र. 12. निम्न चित्रों में से किसी एक चित्र का वर्णन करें। [5]

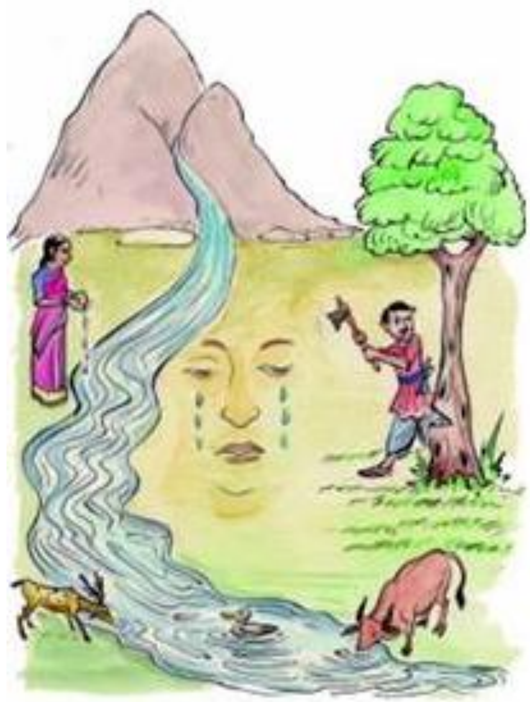

उपर्युक्त चित्र पर्यावरण से संबंधित चित्र है। इस चित्र में एक व्यक्ति पेड़ को काटता दिखाई दे रहा है। पास ही पहाड़ों के बीच से एक नदी दिखाई पड़ रही है। उस नदी में पशु-पक्षी जल पीते हुए दिखाई दे रहे हैं साथ ही एक महिला अर्ध्य चढ़ाती हुई भी नजर आ रही है। चित्र में एक बात गौर करने लायक यह भी है कि धरती माता आँसू बहा रही है। धरती माता यह संदेश देना चाहती है कि इसी तरह यदि हम पेड़-पौधें काटते रहे और पर्यावरण को नुकसान पहुँचाते रहे तो आने-वाले दिनों में मनुष्य को भयंकर परिणाम भुगतने पड़ेगें।

अथवा

उपर्युक्त चित्र सपेरे के खेल से संबंधित है। यहाँ पर हमें एक सपेरा बीन बजाते हुए दिखाई दे रहा है। उसके पास ही दो टोकरियाँ पड़ी है जिसमें दो नाग अपने फनों को उठाए हैं। आज भी मेले, हाट, बाजारों, सड़क के किनारे या चौराहों पर इस प्रकार के खेल देखने मिल जाते हैं। ये सपेरे इस प्रकार के खेल से ही अपनी आजीविका चलाते हैं। कभी-कभी इनके इस खेल के लिए इन्हें अच्छे पैसे मिल जाते हैं परंतु कभी-कभी इनको खाली हाथ भी लौटना पड़ता है। आजकल मनोरंजन के इतने आधुनिक साधन आ जाने के कारण भी अब इनका खेल देखना कोई पसंद नहीं करता। वर्तमान में तो इस प्रकार के खेलों को अवैध माना जाने लगा है। वैसे भी किसी को उसके प्राकृतिक परिवेश से निकालकर इस प्रकार बंद करके रखना अनुचित ही है। सरकार को चाहिए कि इस प्रकार के खेलों से जुड़े लोगों के लिए शिक्षा और वैकल्पिक रोजगार की व्यवस्था की जाय जिससे वे इस प्रकार पशुओं को तंग न करे और अपने परिवार का पालन-पोषण भी कर पाएँ।

प्र. 13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संवाद लिखें। [5]

1. दुकानदार और ग्राहक के मध्य संवाद लिखें।

दुकानदार : नमस्ते, साहब। क्या दिखाऊँ?

ग्राहक : मुझे बारिश के मौसम में पहनने के लिए सैंडल चाहिए।

दुकानदार : साइज़?

ग्राहक : 8 नंबर

दुकानदार : जी, अभी लाया।

ग्राहक : वह काला वाला दिखाओ।

दुकानदार : ये देखिए साहब।

ग्राहक : यह कितना टिकेगा?

दुकानदार : इसकी क्वालिटी अच्छी है और बड़े पैर वालों के लिए बढ़िया है। 6 महीना तो आराम से निकल जाएगा।

ग्राहक : कुछ गारंटी है?

दुकानदार : 3 महीने की वारंटी है।

ग्राहक : क्या दाम है?

दुकानदार : 800 रु.

ग्राहक : बहुत ज्यादा है

दुकानदार : नहीं साहब, चीज अच्छी है उसी हिसाब से दाम है।

ग्राहक : 700 रु.

दुकानदार : 750 रु. दे दीजिए बस।

अथवा

2. विद्यालय के दो छात्राओं के मध्य नई शिक्षिका को लेकर हो रहे संवाद को लिखें।

शिल्पा : अभी तक मैडम तलसानिया नहीं आईं।

मरिया : इतनी जल्दी कब आती हैं?

शिल्पा : करीब-करीब हर दिन 10 मिनट तो लेट होती ही हैं।

मरिया : और आते ही शुरू हो जाती हैं- मेरी हर लाईन में क्वेश्चन होता है, बिल्कुल C.B.S.E. के पैटर्न पर....... (दोनों हँस पड़ती हैं)

शिल्पा : अच्छा ही है। मैडम के देर से आने से हम लोगों को आपस में बात करने का मौका तो मिल जाता है वर्ना तो...

मरिया : अच्छा, यह बताओ, तुम्हें मैडम तलसानिया कैसी लगती हैं?

शिल्पा : बहुत ही अच्छी लगती है। भले की लेट आती हो पर उनके पढ़ाने के ढंग की बात की कुछ और है।

मरिया : हाँ! ये बात तो सच है।

शिल्पा : चुप, वे आ रही हैं।

प्र. 14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विज्ञापन का प्रारूप तैयार करें। [5]

1. धुलाई के किए प्रयोग किए जानेवाले साबुन के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए।

> धुलाई बार से कपड़ों की करलो सफाई,
> किफायती दाम में धुलाई सुहानी।
> धुलाई बार

अथवा

2. तेल के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए।

**ट्विंकल तेल**

**बढ़ानी है जो आपके लाडले की हड्डियों की जान,**

**लगाइए लगाइए ट्विंकल तेल**